रिलायंस-मेटा बनाएंगे एआई-डेटा सेंटर

सोशल मिडिया 140 करोड़ से अधिक की आबादी वाला भारत उसके लिए बहुत बड़ा बाजार है

मुंबई, 10 **जून. रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी मेटा के साथ मिलकर गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला डेटा सेंटर बनायेगी.मेटा के पास फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम तथा व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया ऐप का स्वामित्व है, और** 140 **करोड़ से अधिक की आबादी वाला भारत उसके लिए बहुत बड़ा बाजार है.**

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों कंपनियों के बीच हुई साझेदारी के तहत देश में विशेष तौर पर मेटा के लिए पहले डेटा सेंटर का निर्माण किया जायेगा.निर्माण कार्य दो साल में पूरा होने की उम्मीद है.भविष्य में इसकी क्षमता 168 मेगावाट से आगे बढ़ाने का विकल्प भी रखा गया है.समझौते के तहत मेटा इस डेटा सेंटर से लीज पर क्षमता लेगी. रिलायंस इंडस्ट्रीज डेटा सेंटर के पूरे जीवनचक्र के लिए आद्यांत सेवा प्रदान करेगी.इसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर यूटिलिटीज का प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति, नेटवर्क कनेक्टिविटी और प्रबंधित परिचालन सेवाएं शामिल हैं.

- यह डेटा सेंटर मेटा की वैश्विक अवसंरचना का हिस्सा होगा और उसके मुख्य व्यवसाय तथा एआई कंप्यूटिंग की आवश्यकताओं को समर्थन प्रदान करेगा.
- बताया गया है कि जामनगर में निर्माण क्षमता, नवीकरणीय ऊर्जा की उपलब्धता, जल संसाधन, भारत के पश्चिमी समुद्री केबल लैंडिंग स्टेशनों की निकटता और जियो के व्यापक फाइबर नेटवर्क तक पहुंच जैसे कारक इसे डेटा सेंटर के लिए रणनीतिक रूप से उपयुक्त स्थान बनाते हैं.

रुपया 22 पैसे मजूबत

मुंबई, 10 **जून.** अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 22 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.39 रुपये का बोला गया.पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 43 पैसे टूटकर 95.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया मंगलवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ 95.47 रुपये प्रति डॉलर पर खुला.हालांकि सुबह के कारोबार में ही यह 95.67 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया. इसके बाद वापसी करते हुए दोपहर बाद रुपया 95.23 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ.कारोबार की समाप्ति पर यह 95.39 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ.अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम गिरने से रुपये को लाभ हुआ.कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा आज दो प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 92.5 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया.

सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

14 कैरेट सोना 90 हजार के नीचे

9658 रुपये लुढ़की चांदी

नई दिल्ली, 10 जून. सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली.भारतीय बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव 4,090 रुपये घटकर 1,48,429 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है.वहीं चांदी की कीमत में 9,658 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 2,36,280 रुपये प्रति किलो रह गया है.

केवल 24 कैरेट ही नहीं, बल्कि 23 कैरेट, 22 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने के दामों में भी उल्लेखनीय कमी आई है. गहनों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना 3,746 रुपये सस्ता होकर 1,35,961 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है.वहीं 18 कैरेट सोना 1,11,322 रुपये और 14 कैरेट सोना 86,831 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है.सर्राफा बाजार के ताजा आंकड़ों के अनुसार सोना अपने ऑल टाइम हाई स्तर से काफी नीचे आ चुका है. इसी तरह चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है.

- 24 कैरेट सोना 4,090 रुपये गिरकर 1,48,429 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आया.
- चांदी 9,658 रुपये सस्ती होकर 2,36,280 रुपये प्रति किलो रह गई.
- 22 कैरेट सोना 1,35,961 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा.
- कैरेट सोने का भाव 86,831 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया.
- सोना और चांदी दोनों अपने ऑल टाइम हाई स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं.

जेप्टो ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए

नवभारत, जबलपुर। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म जेप्टो लिमिटेड ने सेबी के पास यूडीआरएचपी-ढ्ढ दाखिल किया है। प्रस्तावित आईपीओ में 8,010 करोड़ रुपए तक का फ्रेश इश्यू व 5 रुपए अंकित मूल्य वाले 11,34,66,566 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है, जिसे बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। फ्रेश इश्यू की राशि का उपयोग नए डार्क स्टोर्स स्थापित करने, लीज़ किराए के भुगतान, प्रौद्योगिकी, विपणन, संभावित अधिग्रहणों व सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए होगा। वित्त वर्ष 2024 से 2026 के बीच जेप्टो का ऑर्डर वॉल्यूम लगभग 119.50ज् की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा, जो उद्योग में सबसे तेज है। कंपनी नेटवर्क में 1,139 डार्क स्टोर्स और 46,623 एसकेयू शामिल हैं। 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में प्रतिदिन औसतन 39.99 लाख यूनिट्स का प्रसंस्करण हुआ और 2.87 लाख सक्रिय डिलीवरी पार्टनर्स ने रोजाना 23.33 लाख ऑर्डर डिलीवर किए। वित्त वर्ष 2026 में जेप्टो ने 22,623.58 करोड़ रुपए का नेट रेवेन्यू, 24,815.54 करोड़ रुपए का एनआरवी और 1,635.73 करोड़ रुपए का विज्ञापन राजस्व दर्ज किया, जबकि वार्षिक ट्रांजैक्टिंग यूजर्स की संख्या 4.80 करोड़ रही। इस निर्गम के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड तथा आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है।

यात्रियों को मिलेगी डिजिटल लगेज लॉकर सुविधा

अहमदाबाद, 10 **जून. यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं विश्वस्तरीय डिजिटल सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक 'डिजिटल लगेज लॉकर सुविधा' का शुभारंभ किया गया.**

इस नई सुविधा का उद्घाटन माननीय सांसद दिनेशभाई मकवाना द्वारा किया गया।इस अवसर पर सांसद श्री दिनेशभाई मकवाना ने कहा कि यह स्वचालित डिजिटल लगेज लॉकर सुविधा यात्रियों को शहर भ्रमण अथवा अन्य कार्यों के दौरान अपने सामान को सुरक्षित रखने में सहायक सिद्ध होगी. यात्री बिना किसी कर्मचारी की सहायता के अपने मोबाइल फोन के माध्यम से लॉकर का संचालन कर सकेंगे.

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने कहा कि अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन, अर्थात् अहमदाबाद स्टेशन पर पहली बार यात्रियों के लिए डिजिटल लॉकर सुविधा शुरू की गई है. बाहर से आने वाले यात्रियों के पास अक्सर सामान और मूल्यवान वस्तुएँ होती हैं. कई बार उन्हें केवल सामान सुरक्षित रखने के लिए होटल लेना पड़ता है या यदि उन्हें तीन-चार या छह घंटे के लिए किसी कार्यालय पर जाना हो, तो सामान साथ लेकर जाना असुविधाजनक होता है.

इस प्रणाली में आधुनिक एवं सुरक्षा संबंधी विशेषताएँ

पूर्णतः डिजिटल एवं कैशलेस भुगतान- सुरक्षित लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड तथा अन्य डिजिटल माध्यमों से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।ओटीपी आधारित एक्सेसः लॉकर के संचालन हेतु यात्री के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड भेजा जाएगा, जिससे अनधिकृत पहुँच पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी. मजबूत सुरक्षा व्यवस्था- सभी लॉकर मजबूत एवं छेड़छाड़-रोधी संरचना से निर्मित हैं. इनकी निगरानी क्लाउड-आधारित प्रणाली के माध्यम से की जाएगी.

1600 का गैस सिलेंडर 700 सस्ता

300 सब्सिडी के साथ और सस्ता हुआ सिलेंडर

नई दिल्ली, 10 **जून. घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है. सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता के कारण उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उसकी वास्तविक लागत से काफी कम कीमत पर मिल रहा है.**

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत 1600 रुपये से अधिक पहुंच चुकी है, लेकिन उपभोक्ताओं को यह कई शहरों में 940 से 1000 रुपये के बीच उपलब्ध कराया जा रहा है. इस तरह बाजार आधारित लागत और उपभोक्ता द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत के बीच लगभग 700 रुपये का अंतर बना हुआ है. यही वजह है कि बढ़ती महंगाई के बावजूद रसोई गैस आम परिवारों की पहुंच में बनी हुई है. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को इससे भी अधिक राहत मिल रही है. योजना के तहत पात्र परिवारों को साल के पहले चार रीफिल पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सहायता प्रदान की जा रही है. इस हिसाब से एक परिवार को सालभर में 1200 रुपये तक की अतिरिक्त राहत मिल सकती है.

देश के विभिन्न शहरों में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम अलग-अलग हैं. राजधानी दिल्ली में सिलेंडर 942 रुपये में मिल रहा है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये है. वहीं पटना में सबसे अधिक 1031.50 रुपये और हैदराबाद में 994 रुपये प्रति सिलेंडर की कीमत दर्ज की गई है.

- घरेलू एलपीजी सिलेंडर की वास्तविक लागत 1600 रुपये से अधिक बताई गई है.
- उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर करीब 700 रुपये तक सस्ता मिल रहा है.
- उज्ज्वला योजना के तहत पहले 4 रीफिल पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सहायता मिलेगी.
- दिल्ली में गैस सिलेंडर का दाम 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये है.

क्रैश टेस्ट में फेल हुई लोकप्रिय एसयूवी

धड़ल्ले से बिक रही एसयूवी की सेफ्टी पर उठे सवाल, मिला 1 स्टार

नई दिल्ली, 10 **जून. भारत में निर्मित किआ सोनेट एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार वजह इसकी बिक्री नहीं बल्कि सेफ्टी रेटिंग है. सेफर कार्स फॉर अफ्रीका कार्यक्रम के तहत किए गए ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में इस एसयूवी को एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन श्रेणी में सिर्फ 1-स्टार रेटिंग दी गई है, जबकि चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन** के लिए इसे 3-स्टार रेटिंग मिली है.

टेस्ट की गई गाड़ी भारत में निर्मित थी और इसे दक्षिण अफ्रीका के बाजार के लिए तैयार किया गया था. रिपोर्ट के अनुसार फ्रंटल ऑफसेट क्रैश टेस्ट में चालक और आगे बैठे यात्री के सिर तथा गर्दन की सुरक्षा अच्छी पाई गई, लेकिन वाहन की संरचनात्मक मजबूती को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आईं. परीक्षण में फुटवेल क्षेत्र को अस्थिर पाया गया और बॉडीशेल को अतिरिक्त भार सहने में अक्षम बताया गया.

एयरटेल ने उत्तर भारत में लगाये 2,900 नये 5जी टावर

नई दिल्ली, 10 **जून.** निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता एयरटेल ने उत्तर भारत में 2,900 से अधिक नये 5जी टावर लगाने की बुधवार को घोषणा की, जिससे ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी. कंपनी ने बताया कि उसने पिछले 12 महीने में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में ये नये 5जी टावर लगाये हैं. इस विस्तार से ग्राहकों को अधिक तेज गति, व्यापक कवरेज और बेहतर नेटवर्क अनुभव मिलेगा.

कामधेनु लिमिटेड करेगी उत्पादन क्षमता का विस्तार

नवभारत, जबलपुर। टीएमटी बार की सबसे बड़ी निर्माता और विक्रेता कामधेनु लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में 'कामधेनु नेक्स्ट' की भारी मांग के कारण एक वर्ष में उत्पादन क्षमता 30-35 बढ़ाने और चैनल पार्टनर नेटवर्क मजबूत करने का लक्ष्य रखा है।

निर्देशक सुनील अग्रवाल ने बताया कि यह वृद्धि उत्पादों की गुणवत्ता व विश्वसनीयता पर बाजार के भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 'कामधेनु नेक्स्ट' कंपनी के अनुसंधान व विकास का परिणाम है, जो 2.5 गुना मजबूत कंक्रीट-स्टील इंटरलॉक के साथ आधुनिक स्मार्ट आर्किटेक्चरल आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह उपयुक्त है।

डबल रिब से अधिक मजबूती

यह अपने अनोखे डबल रिब डिजाइन, मजबूती व लचीलेपन से सामान्य टीएमटी बार से बेहतर है। यह विशिष्ट डिजाइन कंक्रीट संग बेहतरीन इंटरलोकिंग का नया मानक स्थापित करता है, जिससे ऊंचे ढांचे, पुल, फ्लाइओवर और बांध भूकंप या अप्रत्याशित तेज झटकों में अधिकतम सुरक्षित रहते हैं। कंपनी उभरती जरूरतों हेतु बाजार में तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों का बेंचमार्क स्थापित करने के लिए विश्व स्तरीय उत्पाद विकसित करने को प्रतिबद्ध है।

समाचार विशेष

एनडीए के 9 एमएलसी उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

पटना. सोमवार को बिहार विधान परिषद की 9 सीटों के चुनाव और 1 सीट के उप-चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सारे उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया.

इस दौरान विधानसभा परिसर में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और लोक जनशक्ति पार्टी - रामविलास (एलजेपी-आर) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी मौजूद रहे. हालांकि इस दौरान राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और उनके मंत्री बेटे दीपक प्रकाश कुशवाहा विधानसभा परिसर नहीं पहुंचे, दोनों रालोमो के दफ्तर में ही बैठे रहे. लेकिन उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक दल के नेता माधव आनंद विधानसभा परिसर में मौजूद रहे. जिसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई. एमएलसी चुनाव में दीपक प्रकाश कुशवाहा को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और भाजपा के रिश्तों को लेकर कई अटकले भी लगाई जा रही है.

उम्मीदवारों को दी शुभकामनाएं- आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जिन लोगों ने नामांकन किया है सबको मेरी ओर से शुभकामनाएं..सब लोगों के जीत की गारंटी भी है और सभी निर्विरोध चुने जाएंगे.

राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होंगे उपेंद्र

एमएलसी चुनाव से विधान पार्षद बनकर दीपक कुशवाहा के पास मंत्री का पद बचाने का मौका था लेकिन भाजपा ने उन्हें यह मौका नहीं दिया. उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली रवाना हो रहे है जहां वे 13 जून को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय महाधिवेशन और राष्ट्रीय परिषद की बैठक में शामिल होंगे. जहां पार्टी अध्यक्ष पद पर कुशवाहा की फिर ताजपोशी हो सकती है. ऐसा माना जा रहा है कि रालोमो ने भाजपा में विलय के ऑफर को ठुकरा दिया था इसलिए भाजपा ने दीपक प्रकाश का नाम एमएलसी के लिए नहीं दिया. उपेंद्र कुशवाहा ने कल कहा भी था कि बहुत दिनों से विलय की चर्चा उड़ती रही है, लेकिन दुनिया की कोई ताकत ऐसा नहीं कर सकती है.. रालोमो एनडीए में था, है और आगे भी रहेगा.

सियासी तपिश से जूझती छत्तीसगढ़ की राजनीति

मंत्रिमंडल बदलाव से भाजपा और प्रदेश अध्यक्ष को लेकर कांग्रेस में माहौल गर्म

रायपुर. छत्तीसगढ़ में नवतपा के बाद यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण हो गया है. क्योंकि इसमें बहुत सारे राजनीतिक बदलाव होने वाली राजनीति चर्चा ने राजनीतिक दलों के साथ आम लोगों के बीच एक नए कौतूहल के पैदा कर दिया है.

छत्तीसगढ़ की राजनीति में 2028 की चुनावी रणनीति का एक नया मसौदा तैयार होगा. एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी राज्य के लिए नए प्रदेश अध्यक्ष की नई तैयारी में जुटी है, वहीं भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के लिए नए प्रदेश प्रभारी और मंत्रिमंडल विस्तार वाली चर्चा की राजनीति में है. यह सप्ताह काफी महत्वपूर्ण बदलाव और बदलाव का इंतजार कर रहे लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है.

भारतीय जनता पार्टी के लिए सप्ताह काफी महत्वपूर्ण इसलिए है कि केंद्रीय नेतृत्व संगठन बदलाव पर काफी तेजी से कम कर रहा है. छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ से प्रभारी हैं और वर्तमान समय में राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. ऐसे में 2 पदों का दायित्व संभाल रहे नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में अपना उत्तराधिकारी किसे घोषित करेंगे यह काफी महत्वपूर्ण है. जिस तरीके से छत्तीसगढ़ में सरकार की तैयारी चल रही है, 2028 के विधानसभा चुनाव में अभी वक्त तो बहुत है, लेकिन जिस तरह की तैयारी अभी के समय में शुरू हुई है, वह बता रही है कि सरकार चिंता कितना कर रही है.

कांग्रेस में उठा सवाल

विपक्षी दल की बात करें तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है. पिछले 2 महीने से कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष के पद को लेकर के चल रही आंतरिक गतिरोध वाली राजनीति समाप्त ही नहीं हो रही है. 8 जून को छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने फिर कह दिया कि 20 जून से फिलहाल कांग्रेस का प्रशिक्षण शुरू हो रहा है, उसमें पार्टी और संगठन को मजबूत करने की तैयारी होगी. अभी एक हफ्ते तक किसी तरह की कोई बात नहीं है, लेकिन एक हफ्ते के भीतर कुछ न कुछ होगा.

राज्यसभा नामांकन की तस्वीरों से बढ़ी हलचल

जयपुर. भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवारों के नामांकन के दौरान राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर अंदरूनी समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. नामांकन प्रक्रिया में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी विधानसभा परिसर पहुंचीं, लेकिन उनकी मौजूदगी को लेकर राजनीतिक हलकों में अलग-अलग तरह की व्याख्याएं की जा रही हैं.

सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर रही कि भाजपा उम्मीदवार डॉ. सतीश पूनिया के नामांकन के दौरान वसुंधरा राजे उनके साथ नजर नहीं आईं. वहीं पार्टी की दूसरी उम्मीदवार अलका गुर्जर के नामांकन के समय उनकी मौजूदगी तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई दी.

विशेष | **कुछ बागी, कुछ दीदी के साथ तो कुछ ने साधी चुप्पी**

ममता के किले में सेंध, तीन खेमों में बंटी टीएमसी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद ममता बनर्जी की पार्टी में भगदड़ मच गई. टूट की शुरुआत विधायक दल से हुई और अब पार्टी के आधे से अधिक सांसद भी बगावत की राह पर हैं. विधायक दलों में टूट पार्टी से निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्ज के नेतत्व में हुई. वहीं, बागी सांसदों का काकोली घोष कर रहीं हैं.

घोष का दावा है कि उनके साथ पार्टी के 20 सांसद हैं. ये सभी सांसद ह्रष्ठ के साथ जाना चाहते हैं. पार्टी के 14 सांसदों के भाजपा नेता भूपेंद्र यादव के साथ गुप्त मीटिंग के बाद से बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है. दो धड़ों में बंटी पार्टी में तीसरा गुट भी है, जिनकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है.

बागी सांसदों का नेतृत्व करने वाली सांसद काकोली घोष ने दावा किया है कि 20 सांसद उनके साथ हैं. हालांकि, भूपेंद्र यादव से मुलाकात के दौरान 14 सांसदों की फोटो ही सामने आई थी. मीडिया से बात करते हुए घोष ने कहा कि हमने स्पीकर को पत्र सौंप दिया है. जब उन्हें समय मिलेगा, तो वे खुद हमें बुलाएंगे. मैंने कहा कि लोकसभा में हम सभी बीस सांसद ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं. मैंने यह भी बताया कि हालांकि केंद्र सरकार की कई योजनाएं पूरे देश में लागू की गई हैं, लेकिन बंगाल में उन्हें लागू नहीं किया गया है. दबाव डालने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कोई डराने-धमकाने वाली बात नहीं है. आप खुद देख सकते हैं, मैं यहां अकेली बैठी हूं. कहां है डराने-धमकाने वाली बात? हम सभी 20 सांसदों ने बैठकर हस्ताक्षर किए.

तीसरा गुट ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया- टीएमसी सांसदों द्वारा बागी गुट पर लगातार हमला जारी है. पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा ने सांसद यूसुफ पठान पर जमकर हमला बोला है, लेकिन अभी तक तीसरे गुट से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

टीएमसी ने बोला गद्दार

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कीर्ति आजाद ने बागी सांसदों को निशाने पर लेते हुए कहा, तृणमूल कांग्रेस, जो मां, माटी, मानुष की पार्टी है, उसके जरिए दीदी के आशीर्वाद और अभिषेक के समर्थन व मार्गदर्शन से हमारे सभी 29 सांसद चुने गए थे. मैं इन गद्दारों से पूछना चाहता हूं, कि अगर आपको कोई समस्या या शिकायत थी, तो आपने चुनाव के बाद ही उन्हें क्यों जाहिर किया? आपको ये बातें चुनाव से पहले उठानी चाहिए थीं.

कुमारस्वामी कर्नाटक लौटना चाहते हैं

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री और जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी दिल्ली छोड़ कर वापस कर्नाटक की राजनीति में लौटना चाहते हैं. कांग्रेस ने जब से डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया है तब से कुमारस्वामी की मुश्किलें बढ़ गई हैं. शिवकुमार को अगर कांग्रेस मुख्यमंत्री नहीं बनाती तो पिछली बार उनके नाम पर वोट करने वाला वोक्कालिगा समुदाय एक बार फिर पूरी तरह से जेडीएस की तरफ लौटता. चूंकि वोक्कालिगा आबादी की सघनता दक्षिण कर्नाटक में है और वहां वोक्कालिगा, जिसके साथ जाता है मुस्लिम का वोट भी उसको मिलता है. अगर वह जेडीएस की ओर जाता तो मुस्लिम वोट भी मिलता.